डॉ. बलराम कुमार (हिन्दी)
अतिथि प्राध्यापक
डॉ. एल. के. झी. डी. कालेज
ताजपुर, समस्तीपुर
9304573743

बी.ए. पार्ट-I (हिन्दी) प्रथम-पत्र हिन्दी साहित्य का इतिहास
हिन्दी-प्रतिष्ठा

आदिकाल : युग की पृष्ठभूमि

राजनीतिक परिस्थिति – भारतीय इतिहास का यह युग राजनीति की दृष्टि से अव्यवस्था, गृह-कलह और पराजय का युग है। एक ओर तो इस युग का क्षितिज विदेशी आक्रमणों के भयावह मेघों से आच्छादित रहा, दूसरी ओर रजवाड़ों की पारस्परिक भीतरी कलह धुन के समान इसे खोखला करती रही। सम्राट हर्षवर्धन (सन 606 से 643) के निधन के पश्चात् मानों एक प्रकार से उत्तरी भारत से केन्द्रीय शक्ति का ह्रास हो गया और राजसत्ता डांवाडोल हो गयी।

9वीं शती में प्रतिहार मिहिर भोज ने उसे फिर समेटा और सुव्यवस्था का क्षेत्र बनाया। उधर दक्षिण को राष्ट्रकूटों के साम्राज्य ने संभाल रखा था। इधर अरब में नवोदित इस्लाम ने सुदूर पश्चिमी एशिया और पश्चिम और पूर्व में अपने पैर पसारने चाहे भले ही उसने बात की। मध्य एशिया और पश्चिम को रौंद और कुचल डाला पर वह अफगानिस्तान से आगे न बढ़ सका। अफगानिस्तान तब भारत के अंतर्गत था। अब मुसलमानों ने सिंध को प्रवेश द्वार बनाना चाहा। और सन 910 ई. में मुहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में सिंध पर धावा किया। सिंध का राजा दाहिर और उसके पुत्र तिल-तिल भूमि के लिए लड़े परन्तु अंत में हार गये।

उत्तर भारत में दसवीं ग्यारहवीं शताब्दियों में प्रतिहारों का राज्य बना रहा फिर भी उसके दूर के प्रांत स्वतंत्र हो गये। इन नये राज्यों में विशिष्ट थे चेदि (दक्षिणी बुंदेलखंड) जुझौती (उत्तरी बुन्देलखंडी), मालवा, गुजरात, सांभर और गौड़।

ग्यारहवीं-बारहवीं शताब्दी में दिल्ली में तोमर अजमेर में चौहान और कन्नौज में गाहड़वालों के शक्तिशाली राज्य थे। 1150 में अजमेर के बीसलदेव चौहान ने तोमरों से दिल्ली और झांसी से लेकर हिमालय तक अपना राज्य फैला लिया और पंजाब से तुर्कों को पीछे धकेला।

गजनी ने तुर्कों को अंत करके शहाबुद्दीन मुहम्मद गौरी ने भारत जीतने की ठानी। कई बार हार कर भी हिम्मत न हारी। अजमेर का शक्तिशाली राजा पृथ्वीराज चौहान उस समय विदेशी आक्रमण के प्रति पूर्णतः जागरूक न था। जब गौरी ने गुजरात पर आक्रमण किया तब उसकी सेना अजमेर की पश्चिमी सीमा आबू तक जाकर लौट आई और गौरी को रोकने की ओर ध्यान न दिया बल्कि उसी समय उसने जुझौती के राजा परमर्दिदेव से युद्ध छेड़ा, जिसमें दो देशी राजाओं की शक्ति का अपव्यय हुआ।

बलराम कुमार 2-4-2020

Scanned with CamScanner